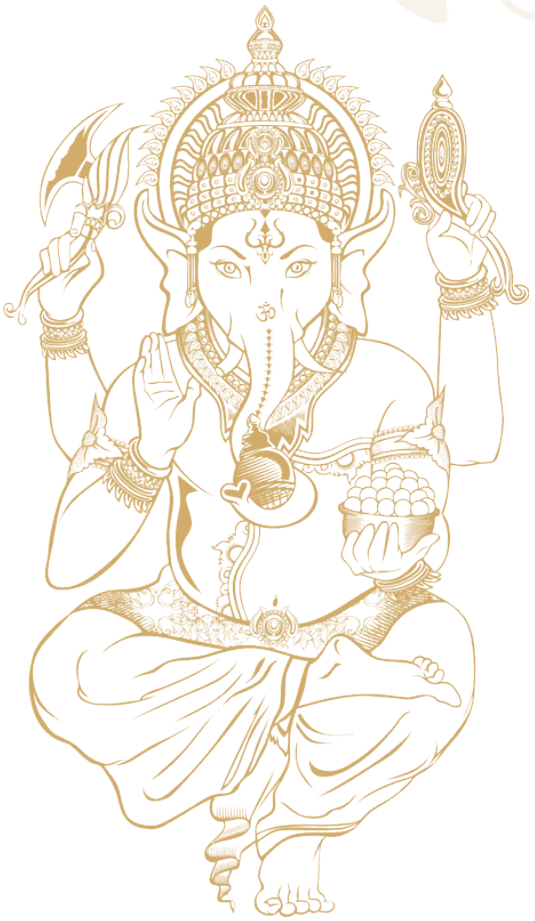

01 Mar 1999

12:03 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121524502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-01/03/1999**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:03:00 घंटे**
इष्ट	43:07:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:41:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:40 घंटे
साम्पातिक काल	10:14:25 घंटे
सूर्योदय	06:48:11 घंटे
सूर्यास्त	18:19:45 घंटे
दिनमान	11:31:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:52:36 कुम्भ
लग्न के अंश	01:14:24 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:14:24	306:47:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	15:52:36	01:00:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	27:41:52	13:08:54	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			तुला	16:33:59	00:11:29	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			मीन	03:35:41	01:17:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			मीन	09:42:33	00:13:56	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	14:39:05	01:13:38	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि			मेष	06:07:47	00:05:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	28:19:01	00:00:03	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:19:01	00:00:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:26:15	00:03:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	09:21:33	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:36:17	00:00:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	07:44:34	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:33

लग्न-चलित

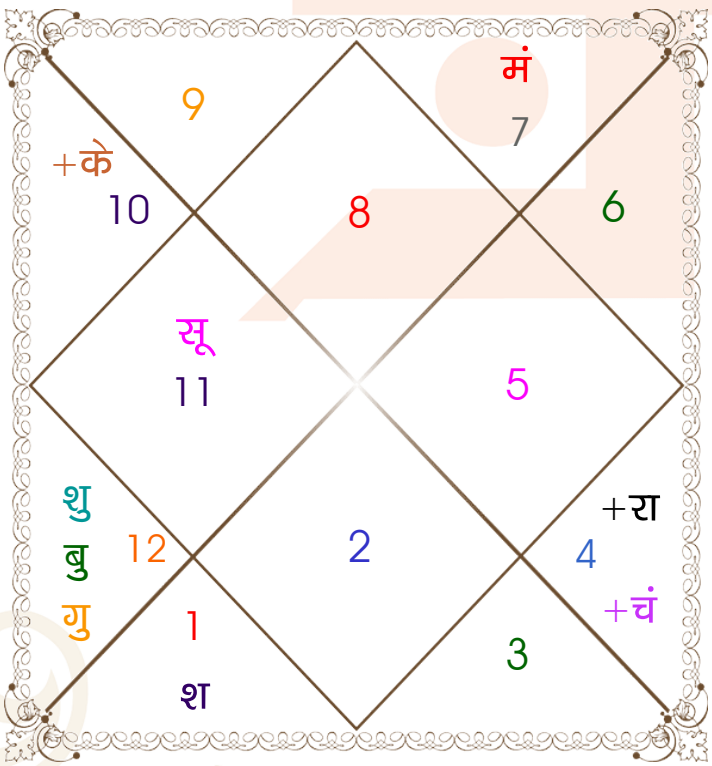

चन्द्र कुंडली

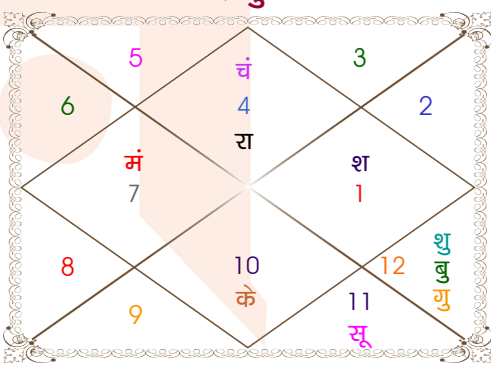

नवमांश कुंडली

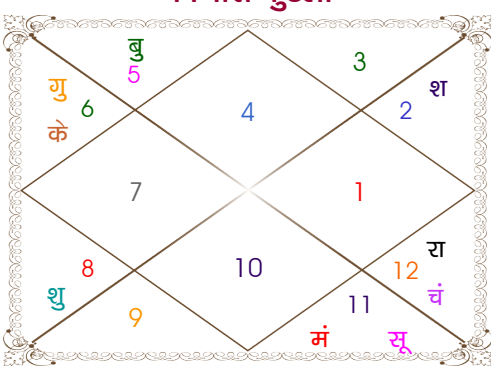

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 11 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/03/1999		05/02/2002		04/02/2009		04/02/2029		05/02/2035	
05/02/2002		04/02/2009		04/02/2029		05/02/2035		04/02/2045	
	00/00/0000	केतु	04/07/2002	शुक्र	06/06/2012	सूर्य	25/05/2029	चंद्र	06/12/2035
	00/00/0000	शुक्र	03/09/2003	सूर्य	06/06/2013	चंद्र	24/11/2029	मंगल	06/07/2036
	00/00/0000	सूर्य	09/01/2004	चंद्र	05/02/2015	मंगल	31/03/2030	राहु	05/01/2038
	00/00/0000	चंद्र	09/08/2004	मंगल	06/04/2016	राहु	23/02/2031	गुरु	07/05/2039
	00/00/0000	मंगल	05/01/2005	राहु	07/04/2019	गुरु	12/12/2031	शनि	06/12/2040
	00/00/0000	राहु	23/01/2006	गुरु	06/12/2021	शनि	23/11/2032	बुध	07/05/2042
	01/03/1999	गुरु	30/12/2006	शनि	04/02/2025	बुध	30/09/2033	केतु	06/12/2042
गुरु	29/05/1999	शनि	08/02/2008	बुध	06/12/2027	केतु	05/02/2034	शुक्र	06/08/2044
शनि	05/02/2002	बुध	04/02/2009	केतु	04/02/2029	शुक्र	05/02/2035	सूर्य	04/02/2045

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/02/2045		05/02/2052		05/02/2070		05/02/2086		05/02/2105	
05/02/2052		05/02/2070		05/02/2086		05/02/2105		00/00/0000	
मंगल	04/07/2045	राहु	18/10/2054	गुरु	25/03/2072	शनि	07/02/2089	बुध	05/07/2107
राहु	22/07/2046	गुरु	13/03/2057	शनि	06/10/2074	बुध	19/10/2091	केतु	01/07/2108
गुरु	28/06/2047	शनि	18/01/2060	बुध	11/01/2077	केतु	26/11/2092	शुक्र	02/05/2111
शनि	06/08/2048	बुध	06/08/2062	केतु	18/12/2077	शुक्र	27/01/2096	सूर्य	08/03/2112
बुध	03/08/2049	केतु	25/08/2063	शुक्र	18/08/2080	सूर्य	08/01/2097	चंद्र	07/08/2113
केतु	30/12/2049	शुक्र	25/08/2066	सूर्य	06/06/2081	चंद्र	09/08/2098	मंगल	04/08/2114
शुक्र	01/03/2051	सूर्य	19/07/2067	चंद्र	06/10/2082	मंगल	18/09/2099	राहु	21/02/2117
सूर्य	07/07/2051	चंद्र	17/01/2069	मंगल	12/09/2083	राहु	26/07/2102	गुरु	02/03/2119
चंद्र	05/02/2052	मंगल	05/02/2070	राहु	05/02/2086	गुरु	05/02/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।